M. A. Chhattisgarhi

Program Outcomes: Upon successful completion of the Master of Arts in Linguistics program, students will be able to:

PO-1	**Knowledge** Study dialects of Chhattisgarhi after presenting deep understanding of Chhattisgarhi concepts, principles and techniques prevailed in different sub fields of Chhattisgarhi.
PO-2	**Critical Thinking and Reasoning:** Enhance critical thinking and Reasoning about Chhattisgarhi which is official and mother language of Chhatttisgarh. Chhattisgarhi official language is functioning as contact language in Chhattisgarh. Chhattisgarhi plays important role in maintaining social contact and communication capacity.
PO-3	**Problem Solving:** Develop rational attitude and problem-solving skills since Chhattisgarhi as language studies puzzle of human language from every angle its form, meanings, sound, gesture, modification acquisition by early learning and processing by the brain.
PO-4	**Advanced Analytical and Computational Skills:** Enhance advanced analytical and computational skills because Chhattisgarhi research tends to focus on the structural aspects of Chhattisgarhi language, the logic by which its inner working gets organised Human computer Interaction.
PO-5	**Effective Communication**: Communicate complex linguistic ideas and results effectively to both technical and non-technical audiences, through written report, presentations and teachings.
PO-6	**Social/ Interdisciplinary Interaction**: Interact effectively as the aim of learning Chhattisgarhi is to understand and to describe how Chhattisgarhi language works as functional and purposive tool.
PO-7	**Self-directed and Life-long Learning**: Recognize the importance of ongoing professional development and lifelong learning in the rapidly evoling field of Chhattisgarhi language and will exhibit the ability to continue learning independently or in formal education setting.
PO-8	**Effective Citizenship**: **Leadership and Innovation:** Explain the interaction in Chhattisgarhi with society and attitudes towards different linguistic features and its relations to class, race, sex etc. Innovating and evaluating contemporary linguistic trends and research methodologies and how they are applied to problems in Chhattisgarhi language.
PO-9	**Ethics**: Demonstrate ethical and responsible conduct in linguistic research, teaching and collaboration of Chhattisgarhi, adhering to professional standards and best practices.
PO-10	**Further Education or Employment:** Engage for further academic pursuits, including Ph. D. programs in Chhattisgarhi language or its related fields, Get employment in academia, research institutions, industry, government and other sectors.
PO-11	**Global Perspective**: Recognise the global nature of research in Chhattisgarhi language and its impact appreciating diverse cultural perspective.

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs): At the end of the program, the student will be able to:

PSO1	Have an overview of linguistic knowledge of Chhattisgarhi, identify, analyse and document specific linguistic characteristics of Chhattisgarhi language and delve into expert level research and scientific study of a linguistic field of Chhattisgarhi.
PSO2	Have a high level of employability in areas of linguistic research, linguistic training

	and linguistic study of Chhattisgarhi
PSO3	Understand, appreciate and analyze the role of Chhattisgarhi language everyday interactions.
PSO4	Enhance understanding of language variation, including historical and social and regional dialects of Chhattisgarhi and also the equality of all linguistic codes of Chhattisgarhi (Languages, dialects, Varieties etc)
PSO5	Qualify state level tests like PSC, SSC, Bank etc.

MA Chhattisgarhi Semester-I

CourseOutcomes(COs)

I- Chhattisgarh au Chhattisgarhi ke Aitihasik Prishthabhumi

छत्तीसगढ़ अउ छत्तीसगढ़ी के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1	भाषा एवं भारतीय भाषा परिवार से संबंधित प्रारंभिक जानकारी एवं उनके विशेषताओं का अध्ययन करना।	U
2	छत्तीसगढ़ी भाषा की उत्पत्ति, नामकरण, और विकास का ज्ञान अर्जन करना।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास में अन्य भाषा बोली से संबंधित ज्ञान अर्जन करना ।	U
4	छत्तीसगढ़ी में आगत शब्द से संबंधित ज्ञान।	E
5	छत्तीसगढ़ी का अन्य भाषा परिवार से समानता एवं असमानता संबंधित ज्ञान।	C

CL:CognitiveLevels(**R**Remember;**U**Understanding;**Ap**Apply;**An**Analyze;**E**Evaluate;**C**-Create)

II- Chhattisgarhi ke Dhwani Sanrachna

छत्तीसगढ़ी के ध्वनि–संरचना

1	ध्वनि की परिभाषा, विशेषता एवं उसके प्रकार को जानना।	U
2	छत्तीसगढ़ी भाषा की ध्वनियों को समझना।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरों एवं व्यंजनों के वर्गीकरण को जानना।	U
4	छत्तीसगढ़ी शब्दों की संरचना को समझना।	E
5	छत्तीसगढ़ी ध्वनियों का उच्चारण ज्ञान अर्जन करना एवं उनके विभिन्न ध्वनिगुणों को समझना।	E

III- Chhattisgarhi Sahitya ke Itihas

छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास

1	छत्तीसगढ़ी के आदिकाल साहित्य से परिचय।	U
2	छत्तीसगढ़ी मध्यकाल साहित्य का अध्ययन करना।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी पद्य साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन।	E
4	छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन।	U
5	छत्तीसगढ़ी प्रमुख साहित्यकारों के परिचय से अवगत होना।	C

IV- Chhattiasgrahi Lok Vividh Aayam

छत्तीसगढ़ी लोक विविध–आयाम

1	लोक के अवधारणा का अध्ययन करना।	U
2	लोक संस्कृति को प्रभावित करने वाले कारकों को स्वयं के दृष्टिकोण से समझना।	Ap

3	लोक विश्वास एवं परंपरा का ज्ञान प्राप्त करना।	E
4	छत्तीसगढ़ी लोक जीवन एवं सामाजिक आर्थिक प्रवृत्तियों का अध्ययन।	Ap
5	छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य को जानना।	C

V- Chhattisgarh ke JanJatiy Bhasha au Sanskriti
छत्तीसगढ़ के जनजातीय भाषा अउ संस्कृति

1	छत्तीसगढ़ जनजातीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान।	U
2	जनजातीय आदिवासी जननायक के शौर्यगाथा परिचय का ज्ञान प्राप्त करना।	E
3	छत्तीसगढ़ जनजातीय मिथक का ज्ञान।	Ap
4	छत्तीसगढ़ जनजातीय लोकसाहित्य का ज्ञान।	U
5	छत्तीसगढ़ जनजातीय संस्कृति का इतिहास ज्ञान।	Ap

MA Chhattisgarhi Semester-II

I - Chhattisgarhi Lok sahitya
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

1	लोक साहित्य का उद्‌भव और विकास की जानकारी प्राप्त कर समझना।	Ap
2	छत्तीसगढ़ी के लोकनाट्य का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करना।	U
3	छत्तीसगढ़ी लोकगाथा का ज्ञान।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी लोक का संस्कृति के विभिन्न प्रकारो का परिचय प्राप्त करना।	E
5	लोककला में परिवर्तन का ज्ञान प्राप्त करना।	C

II- Chhattisgarhi Kayva
छत्तीसगढ़ी काव्य

1	आदियुगीन छत्तीसगढ़ी गाथा का अध्ययन एवं समीक्षा का करना।	U
2	छत्तीसगढ़ी काव्य का अध्ययन एवं महत्व का ज्ञान।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी में कविता विकास यात्रा की जानकारी होना।	E
4	नवगीत एवं गजल का ज्ञान एवं गीतकार की जानकारी होना।	Ap
5	छत्तीसगढ़ी काव्य के विकास में कुछ प्रमुख साहित्यकार का अध्ययन करना।	E

III- Chhattisgarhi Arth Mimansha
छत्तीसगढ़ी अर्थ मीमांसा

1	शब्द के अर्थ की परिभाषा एवं महत्व का ज्ञान।	U
2	अर्थ के प्रकार एवं सूक्ष्म अंतर को पहचानना।	Ap
3	अर्थ परिवर्तन एवं अर्थ निश्चयीकरण से परिचित होना।	E
4	शब्द में अर्थ परिवर्तनों को जानना।	U

5	प्रतीकात्मक रूप का ज्ञान।	Ap

IV- **Chhattisgarhi Upanyas**
छत्तीसगढ़ी उपन्यास

1	छत्तीसगढ़ी में उपन्यास लिखने की परंपरा को जानना।	U
2	उपन्यास कृति का अध्ययन एवं समीक्षा करने की क्षमता का विकास।	Ap
3	आधुनिक युग के उपन्यास का अध्ययन करना।	E
4	उपन्यास का समीक्षात्मक परिचय का ज्ञान प्राप्त करना।	U
5	उपन्यास के आधुनिक स्वरूप का ज्ञान।	E

V- **Chhattisgarhi Kahini**
छत्तीसगढ़ी कहिनी

1	छत्तीसगढ़ी कहानी लेखन की परंपरा का ज्ञान।	U
2	छत्तीसगढ़ी कहानी समीक्षा का अध्ययन करना।	Ap
3	आधुनिक कहानी की समीक्षा का ज्ञान।	E
4	वर्तमान संदर्भ के आधार पर कहानी की समीक्षा करना।	C
5	कहानीकार एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन।	C

Internship

MA Chhattisgarhi Semester-III

I- Chhattisgarhi Ke Shabd au Rup Sanrachna
छत्तीसगढ़ी के शब्द अउ रूप संरचना

1	शब्दों का ज्ञान प्राप्त करना।	U
2	छत्तीसगढ़ी शब्द और रूप संरचना का ज्ञान प्राप्त करना।	U
3	छत्तीसगढ़ी के विभिन्न कारक एवं रूपों का ज्ञान प्राप्त करना।	E
4	छत्तीसगढ़ी के वाक्य संरचना के आधार पर अध्ययन करना।	Ap
5	छत्तीसगढ़ी के शब्द निर्माण का अध्ययन करना।	C

II- Chhattisgarhi Ke Bhasha Bhugol
छत्तीसगढ़ी के भाषा–भूगोल

1	छत्तीसगढ़ी के क्षेत्र और शैली के स्वरूप का अध्ययन करना।	U
2	छत्तीसगढ़ी के सामाजिक स्तर भेद की भाषा का ज्ञान।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी भाषा के आगत शब्दों का अध्ययन करना।	E
4	छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय रूपों के अध्ययन का ज्ञान।	E
5	छत्तीसगढ़ी के विविध रूपों का ज्ञान एवं भाषा मानचित्र की जानकारी।	C

III- Chhatisgarhi Natak
छत्तीसगढ़ी नाटक

1	छत्तीसगढ़ी नाट्य साहित्य की परंपरा का अध्ययन।	U
2	नाटकों के प्रकार एवं विशेषता का अध्ययन करना।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी के प्रमुख नाट्यकार और धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक नाटक का ज्ञान।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी के एकांकी नाटक का ज्ञान प्राप्त करना।	U
5	छत्तीसगढ़ी एकांकीकार का परिचय।	Ap

IV-I- Prayojan Mulak Chhattigarhi
प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी

1	छत्तीसगढ़ी भाषा के स्थान के आधार पर प्रयोग की भिन्नता का अध्ययन।	Ap
2	छत्तीसगढ़ी जनसंचार माध्यम का अध्ययन।	E
3	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के पत्र–पत्रिकाओं में प्रयुक्त शब्दावली का अध्ययन।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी भाषा के रेल, बैंक, व्यापार आदि क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दावली का ज्ञान।	C
5	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य का प्राथमिक से उच्च स्तर पर पाठ्यक्रम निर्माण का ज्ञान।	C

IV-II- Chhattisgarhi Lok Geet
छत्तीसगढ़ी लोक गीत

1	लोकगीतों के उद्भव, विकास एवं परंपरा व पृष्ठभूमि से परिचित होना।	U
2	छत्तीसगढ़ी के संस्कार गीतों से परिचित होना।	R
3	छत्तीसगढ़ी के उत्सव प्रधान गीतों एवं लोकजीवन का सहसंबंध।	Ap
4	प्रकृति एवं मानव जीवन के बीच जुड़ाव में ऋतु गीतों का योगदान।	C
5	लोकगीतों की सामाजिक उपादेयता से परिचित होना।	C

IV- III Chhattisgarhi Lok Rang-Manch छत्तीसगढ़ी लोक रंगमंच

1	लोकगीतों के उद्भव, विकास एवं परंपरा व पृष्ठभूमि से परिचित होना।	U
2	छत्तीसगढ़ी के संस्कार गीतों से परिचित होना।	R
3	छत्तीसगढ़ी के उत्सव प्रधान गीतों एवं लोकजीवन का सहसंबंध।	Ap
4	प्रकृति एवं मानव जीवन के बीच जुड़ाव में ऋतु गीतों का योगदान।	C
5	लोकगीतों की सामाजिक उपादेयता से परिचित होना।	C

V-I - Chhatisgarhi Gadhya Nibandh au anya Vidha
छत्तीसगढ़ी गद्य निबंध अउ अन्य विधा

1	छत्तीसगढ़ी में निबंध लेखन परंपरा के विकास का ज्ञान प्राप्त करना।	U
2	छत्तीसगढ़ी निबंध के प्रकार एवं स्वरूप का अध्ययन।	R
3	छत्तीसगढ़ी निबंध लेखन परंपरा का आधुनिक युग से प्रभाव का अध्ययन।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी निबंध का स्वरूप ।	C
5	छत्तीसगढ़ी में संस्मरण और आत्मकथा का अध्ययन करना।	C

V-II- Chhattisgarhi Lok Natya
छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य

1	लोकनाट्य का भारतीय एवं छत्तीसगढ़ी संदर्भ।	R
2	लोकनाट्य नाचा की विशिष्टता से अवगत होना।	U
3	प्राचीन रासलीला का रहस में रूपांतरण।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी लोक में रहस की प्रतिष्ठा में रासलीला की भूमिका।	U
5	छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की रचना से परिचित होना।	C

MA Chhattisgarhi Semester-IV

I -Chhattisgarhi ke vakya Sanrachana/Rachnantaran

छत्तीसगढ़ी के वाक्य–संरचना/रचनातरंण

1	छत्तीसगढ़ी वाक्य संरचना का अध्ययन करना।	R
2	छत्तीसगढ़ी वाक्य एवं उपवाक्य की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करना।	U
3	छत्तीसगढ़ी पदबंध के प्रकार का अध्ययन करना।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी भाषा में वाक्य के शुद्धि एवं अशुद्धि का अध्ययन करना।	U
5	छत्तीसगढ़ी वाक्य संरचना में विराम चिह्न को पहचानना।	C

II - Chhattisgarhi ma Anuvad

छत्तीसगढ़ी म अनुवाद

1	अनुवाद के परिभाषा, प्रकार एवं स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करना।	R
2	अनुदित कृति का अध्ययन करना।	U
3	हिंदी से छत्तीसगढ़ी एवं छत्तीसगढ़ी से हिंदी में अनुवाद करना सीखना।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी अनुवाद के तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली का अध्ययन करना।	E
5	छत्तीसगढ़ी लोकोक्ति एवं सुभाषित के अनुवाद का ज्ञान।	C

III- Chhattisgarhi ke Lok Sanskrti

छत्तीसगढ़ी के सामाजिक संदर्भ

1	लोक संस्कृति व सभ्यता से परिचित होना।	U
2	छत्तीसगढ़ी के सामाजिक संदर्भों के विभिन्न रूपों का ज्ञान।	Ap
3	छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप का ज्ञान।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी भाषा प्रयोग में संबोधन एवं रंगो का अध्ययन।	Ap
5	देशकाल के बदलते संदर्भ में छत्तीसगढ़ी रिश्ते–नाते शब्दावली का ज्ञान।	E

IV-I Chhattisgarhi ma Tulnatmak Adhyayan

छत्तीसगढ़ी म तुलनात्मक अध्ययन

1	छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करना।	R
2	छत्तीसगढ़ी वर्तनी, पर्यायता, अनेकार्थता का ज्ञान।	U
3	छत्तीसगढ़ी से अन्य भाषा और बोली के अंतः संबंध को जानना।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी के सीमावर्ती भाषाओं से साम्य और वैसम्य का ज्ञान।	U
5	छत्तीसगढ़ी के सांस्कृतिक शब्दों का ज्ञान।	C

IV-II Chhattisgarhi Lok Sangeet

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत

1	लोक में संगीत के महत्व एवं स्थान का ज्ञान।	R
2	लोकवाद्यों के उद्भव एवं विकास का परिचय।	U
3	छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य व आभूषण की सूची तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना।	Ap
4	छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकगीतों से अवगत होना।	U
5	छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों से अवगत होना।	C

V-I Chhattisgarhi Sahitya : 20 Cenchuri

छत्तीसगढ़ी साहित्य : बीसवीं शताब्दी

1	छत्तीसगढ़ी साहित्य में बीसवीं शताब्दी के लेखन परंपरा का अध्ययन।	R
2	छत्तीसगढ़ी के आधुनिक युग के लोक एवं शिष्ट साहित्य का ज्ञान।	U
3	छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य के विकास का अध्ययन करना।	Ap
4	छत्तीसगढ़ी के बीसवीं शताब्दी के साहित्य की समीक्षा का अध्ययन।	U
5	छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य एवं नुक्कड़ नाटक के स्वरूप का अध्ययन।	C

V-I Dissertation लघु शोध–प्रबंध

1	अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल प्रदर्शित करता है	Ap
2	एक छात्र की गहन शोध करने, डेटा इकट्ठा करने और उसका विश्लेषण करने और सार्थक निष्कर्ष निकालने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।	U
3	आलोचनात्मक सोच और समस्या.समाधान कौशल विकसित करता है	E
4	यह प्रक्रिया समस्याओं को पहचानने और उनका विश्लेषण करने, रचनात्मक समाधान विकसित करने और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देती है।	C
5	लघु शोध प्रबंध किसी विशेष क्षेत्र में ज्ञान के भंडार में योगदान दे सकता है।	C